

11 वे अंतरराष्ट्रीय वन मेला (दिनांक 17 से 23 दिसंबर, 2025) एवं लघुवनोपज की समृद्धता पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (दिनांक 17 से 23 दिसंबर, 2025) में सहभागिता



भा वा अ शि प उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर ने 11 वे अंतरराष्ट्रीय वन मेला जिसका आयोजन मध्यप्रदेश लघु वनोपज संघ द्वारा दिनांक 17 से 23 दिसंबर, 2025 तक भोपाल में संस्थान द्वारा विकसित वानिकी तकनीकों को प्रदर्शित किया जा रहा है जिसका उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं श्री दिलीप सिंह अहिरवार, राज्य वन मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। डॉ मोहन यादवजी ने इस अवसर लघुवनोपज के गीत एवं विंध्य हर्बल के चित्र का विमोचन भी किया। साथ ही विंध्य हर्बल्स द्वारा उत्पादित वेलनेस कीट का भी विमोचन किया गया। डॉ समिता राजौरा, प्रबंधक, मध्य प्रदेश लघुवनोपज संघ ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस मेले के मुख्य आकर्षण में 350 स्टॉल मुख्य रूप से वन धन केंद्र एवं अन्य समिति द्वारा बनाए गए उत्पाद जैसे सबई धास, गोबर के उत्पाद, बांस, लाख, महुआ, चिराँजी के विभिन्न उत्पाद, अलीराजपुर के पारंपरिक आर्टिकल, महर्षि आयुर्वेदिक, जैव विविधता बोर्ड, 80 आयुर्वेद डाक्टर, 110 नाड़ी वैद्य अपनी विधाओं से सहर्ष ही आगंतुकों का उपचार कर रहे हैं। श्रीमती कंचन देवी, भा वा अ शि प की महानिदेशिका ने संस्थान के स्टॉल में भ्रमण कर प्रतिभागियों को नया उत्साह भर दिया।

इसके अतिरिक्त लघु वनोपज संघ, मप्र एवं भारतीय वन अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान, भोपाल के सयुक्त तत्वाधान में दिनांक 19 से 20 दिसंबर 2025 *लघुवनोपज की समृद्धता : जन मानस की खुशहाली के लिए समृद्ध वन धन से जोड़ना विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस महानिदेशिका एवं श्री वी के खरे, पूर्व प्रबंधक, लघु वनोपज संघ, मध्य प्रदेश, श्री वी के दवे, पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक, लघु वनोपज संघ, श्री अभय पाटिल, पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मप्र द्वारा किया गया।

संस्थान के स्टॉल पर करीब ५०० से अधिक आगंतुक जिसमें वन विभाग के अधिकारी गण पूर्व वन बल प्रमुख एवं टी फ़ आर ई के पूर्व निदेशक डॉ यू प्रकाशम, श्री पी के चौधरी, श्री एस के मोहंती, श्री एम सी शर्मा ने

संस्थान द्वारा विकसित तकनीक को सराहा जो कि डॉ नीलू सिंह , संस्थान निदेशक, (प्रभारी) के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसका सफल संचालन डॉ ननिता बेरी , प्रभागध्यक्ष, वन विस्तार एवं प्रमोद राजपूत , सुमित ठाकुर, राधवेंद्र मेहरा के सहयोग से किया गया।



























